

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तरांचल जल संस्थान,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग-

देहरादून: दिनांक: 27 मार्च, 2005

विषय: -ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अन्तर्गत विभिन्न पेयजल योजनाओं हेतु
वर्ष 2004-05 में वित्तीय स्वीकृति ।

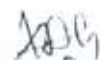
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक- 437 दिनांक 07.02.2005 एवं पत्र संख्या 4239 दिनांक 15.03.2005 एवं 4236, दिनांक 15.03.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अंतर्गत संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार ग्रामीण पेयजल योजनाओं के निर्माण, पुनर्गठन, सुदृढीकरण कार्य हेतु कुल रु० 948.66 लाख की लागत के कार्यों पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान कर चालू वित्तीय वर्ष में रु० 599.88 लाख (रु० पाँच करोड़ निन्यानब्बे लाख अटठासी हजार मात्र) की धनराशि संलग्न बी०एम-15 में दिये गये विवरणानुसार पुनर्विनियोग द्वारा बचतों के व्यावर्तन से व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान देहरादून के हस्ताक्षर एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में वास्तविक आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।

3- सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन आवश्यक है जिन मदों का प्राविधान बाजार भाव से किया गया है उनका क्रय नियमानुसार ही किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यों पर किया जायेगा जिनके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है ऐसे कार्यों पर धनराशि कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त हैं। व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाइनेन्शियल हैण्डबुक नियमों तथा स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृत की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।



कमश.2.

6- प्रस्तावित कार्यों को यथासम्भव ग्रीष्मऋतु से पूर्व सम्पन्न कराना सुनिश्चित करते हुए कराये गये कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के मासिक/त्रैमासिक विवरण नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय। ग्रीष्मकाल के समाप्त होने पर कार्यवार व्यय विवरण व कार्य की भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा और पूर्व स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।

7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

8- कार्यों में सैंटेज/कन्टीजैन्सी व्यय वर्तमान में प्रचलित शासकीय दर से नियमानुसार ही लिया जायेगा।

9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाशीघ्र पूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी के प्रति उत्तरदायित्व का निर्धारण किया जायेगा।

10- योजना को इसी लागत में पूर्ण कर लिया जायेगा और विलम्ब या अन्य कारणों से इसकी लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

11- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत अनुदान सं०-13 के लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम- 03 -ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00-20 सहायक अनुदान/अंशदान / राजसहायता" के नामें डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 1174 / वि०अनु०-3 / 2005 दिनांक 29 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न यथोक्त

भवदीय,

(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

सं० 677 (1)/उन्तीस/05/2(06पे०)/2005, तद दिनांक

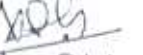
प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमाँयू।
4. जिलाधिकारी, देहरादून/सम्बन्धित जनपद।
5. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
7. मुख्य अभियन्ता (गढ़वाल/कुमाँयू), उत्तरांचल पेयजल निगम।

कमरा:3.

7. वित्त अनुभाग-3/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री/मा0 पेयजल मंत्री, उत्तरांचल।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,



(कुंवर सिंह)

अपर सचिव

शासनादेश संख्या ८८४/उन्तीस/०५-(०६पे०)/२००५, दिनांक २७ मार्च, २००५

का संलग्नक

तालिका-१

धनराशि रु० लाख में

क्रम सं०	जनपद	योजनाकानाम	अनु० लागत	पूर्वस्वीकृत राशि	स्वीकृत राशि
1	देहरादून	त्यूनी पे०यो०	21.94	9.00	12.94
2		कुल्हा पे०यो०	4.20	3.50	0.70
3		उभरेऊ	9.85	5.00	4.85
4		ढकरानी ढालीपुर	58.05	24.00	34.05
5		लाखामण्डल	89.21	50.00	39.21
6		होरावाला	42.38	—	42.38
7		बडवा	23.00	—	23.00
8		नवाकोट	4.50	—	4.50
9	टिहरी	अंजनीसैण	4.00	—	4.00
10		गौसारी	7.00	—	7.00
11		भटवाडा	6.00	—	6.00
12		गैरी राजपूत	5.00	—	5.00
		योग	275.13	91.50	183.63

तालिका-२

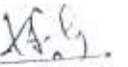
क्रम सं०	जनपद	योजनाकानाम	अनु० लागत	पूर्वस्वीकृत राशि	स्वीकृत राशि
1	देहरादून	ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं में उर्ध्व जलाशय व ऑटोवाश फिल्टर का निर्माण	114.19	—	50.00
2		विकासनगर विधानसभा क्षेत्र में मिनी नलकूपों का निर्माण एवं तत्सम्बन्धी कार्य	308.75	—	150.00
3		सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में मिनी नलकूपों का निर्माण एवं तत्सम्बन्धी कार्य	241.09	—	150.00
		योग	664.03	—	350.00

(Handwritten Signature)

तालिका-3

क्रम सं०	जनपद	योजनाकानाम	अनु० लागत	पूर्वस्वीकृत राशि	स्वीकृत राशि
1	टिहरी	रजाखेत पे०यो०	6.20	—	6.20
2		म्यूडा पे०यो०	6.40	—	6.40
3		खाण्ड पे०यो०	5.40	—	5.40
4		नेल्डा	3.10	—	3.10
5		तुनियार	2.40	—	2.40
6		मंदार बनियानी	2.00	—	2.00
7		सेमा	2.25	—	2.25
8		मुखमाल	8.00	—	8.00
9		कन्डियालगांव	3.00	—	3.00
10		चौराणी प्रतापनगर	3.40	—	3.40
11		मिश्रवांगगाव	6.70	—	6.70
12		जाखणी	3.00	—	3.00
13		असगडपोखाल	2.00	—	2.00
14		भेतला	1.50	—	1.50
15	रुद्रप्रयाग	कणसिली	6.00	—	6.00
16		क्यूडी बैजीबावडी	5.00	—	5.00
		योग	66.35	—	66.35
		कुल योग	948.66	91.50	599.88

(रु० पाँच करोड़ निम्नानब्बे लाख अठ्ठासी हजार मात्र)


(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

निम्नलिखित अधिकारी - मुख्य महानिरीक्षक, उत्तराखण्ड जल सन्मान, देहरादून।
प्रशासनिक विभाग - देहरादून विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

आवेदनकर्ता

प्रतिमान तथा स्वामित्व	मानक मंदार आवधिक स्थिति	दिनांक वर्ष के अवधि अवधि अनुमानित व्यय	अवधि (साल)	नियमित विभाग द्वारा किया जा रहा है	पुनर्विभाग के बाद संपन्न-5 की कुल संपन्न	पुनर्विभाग के बाद संपन्न-4 में अवधि संपन्न	पुनर्विभाग के बाद संपन्न-1 में अवधि संपन्न
1	2	3	4	5	6	7	8
2215-जलपूर्ति तथा संचयन				2215-जलपूर्ति तथा संचयन			(क) भूतल संचयन से संपन्न रहित अवधि होने के कारण प्रतिमान में वृद्धि हुई। (ख) वास्तविक अवधि संपन्न के कारण।
02-कल निर्यात एवं संचयन				01-जलपूर्ति-आवधिक संचयन			
107-साल निर्यात संचयन				102-वास्तविक जलपूर्ति कार्यक्रम			
01-संवर्धन आवधिक संचयन / संचयन				03-वास्तविक संचयन संचयन			
05-साल कार्यवाही (20% केवल) प्रति वर्ष				00-20-संवर्धन अनुदान / अवधि / संवर्धन			
20-संवर्धन अनुदान / अवधि / संचयन	79500	-	79500(रु)		537344	19512	
	79500	-	79500		537344	19512	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विभाग से वृद्धि में वृद्धि के कारण 150,151,155,156 में उत्तराखण्ड संचयन का उत्पन्न नहीं होता है।

(हस्ताक्षर)
अपर संचयन

उत्तराखण्ड शासन
विभाग अनुभाग-3
संख्या - 1174 (क) दिनांक अगु-3/2005
देहरादून दिनांक 29 मार्च 2005
पुनर्विभाग संचयन

संज्ञा में
महानिरीक्षक
उत्तराखण्ड, देहरादून
(केन्द्रीय विभाग)
अपर संचयन

संख्या 679 (2) / जल-05-2-(06th) / 2001, तब दिनांक

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवधिक कार्यवाही हेतु प्रेषित -
1-कोषाधिकारी / निम्नलिखित, देहरादून। 2-विभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।

(हस्ताक्षर)
अपर संचयन